यूरोपीय व्यापारियों कंपनियों का आगमन

- भारत में यूरोपीय व्यापारियों कंपनियों के आगमन क्रम था :-

पुर्तगाली
↓
डच
↓
अंग्रेज
↓
डेन
↓
फ्रांसीसी

पुर्तगाली – डच – अंग्रेज – डेन – फ्रांसीसी

- भारत में सबसे पहले पुर्तगाली (1498) आये और सबसे अंत में (1616) वे ही भारत से वापस गये।

KD Job Updates

Date

पुर्तगीज 'एस्टाडो द इंडिया'

- 1486 ई में बार्थोलेम्यू डायस आशा अंतरीप की खोज की।
- 17 मई 1498 ई को पुर्तगाली नाविक वास्कोडिगामा, अब्दुल मनीक नामक गुजराती की सहायता से भारत के समुद्र तट पर स्थित कालीकट पहुंचने में सफल हुआ।
- वास्कोडिगामा ने कालीकट के हिन्दू राजा जमोरिन से मिलकर व्यापार की अनुमति प्राप्त किया। वास्कोडिगामा ने भारत में कालीमीर्च के व्यापार को 60 गुना अधिक लाभ कमाया।
- पूर्वी देशों के साथ व्यापार के लिए पुर्तगीज सरकार द्वारा 'एस्तादों द इंडिया' का गठन किया गया।
- 1502 ई में वास्को दूसरी बार भारत आया।
- 1503 ई में कोच्चीन में पुर्तगालियों ने अपनी पहली कोठी स्थापित की।
- भारत एवं पुर्तगाल के बीच व्यापार का आरंभ होते ही पुर्तगालियों ने भारत के कालीकट, गोवा, दमन दीव एवं हुगली के बंदरगाहों पर अपनी व्यापारिक कोठियों का निर्माण कराया।

KD Job Updates

- 1505ई में 'फ्रांसिस्को द आल्मेडा' को प्रथम पुर्तगाली गवर्नर के रूप मे भारत भेजा गया, जो 1509ई तक भारत मे रहा। इनमे जलशक्ति के रूप में पुर्तगाली राज्य को स्थापित किया और हिन्द महासागर मे पुर्तगाली शक्ति को मजबूत किया।

- 1509ई मे 'अल्फांसो द अल्बुकर्क' को पुर्तगाली गवर्नर बनाकर भेजा भारत भेजा गया, जो 1515ई तक भारत मे रहा। उसे भारत मे 'पुर्तगाली साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक' माना जाता है।

- इसने 1510ई मे बीजापुर के सुल्तान 'युसुफ आदिलशाह' से ~~गोवा~~ गोवा छीन लिया और उसे पुर्तगाली सत्ता एवं संस्कृति का केन्द्र बनाया।
- अल्बुकर्क ने 1511ई मे दक्षिण पूर्व एशिया की व्यापारिक मंडी मलक्का और हुरमुज पर अधिकार कर लिया।
- इसने भारत मे पुर्तगालियों की संख्या की वृद्धि करने के उद्देश्य से पुर्तगाली कर्मचारियो को भारतीय महिलाओं के साथ विवाह करने को प्रोत्साहित किया।
- अलबुकर्क के बाद दुसरा महत्वपूर्ण पुर्तगाली गवर्नर 'निनो द कुन्हा' था, जिसने 1529ई मे भारत में अधिभार ग्रहण किया। उसने मुगल ~~साम्राज्य~~ सम्राट हुमायूं और गुजरात के बहादुरशाह के बीच संघर्ष का लाभ उठाकर 1534ई मे बेसीन, 1537ई मे दीव

तथा 1559 ई में दमन पर अधिकार कर लिया।

- निनो द कुन्हा ने 1530 ई में ~~आनन्दकाल~~ शासन का मुख्यालय 'कोचीन' के स्थान पर 'गोवा' (राजधानी) को बना दिया।

- 1542 ई में नये पुर्तगाली गवर्नर 'मार्टिन अल्फांसो' के साथ ~~फ्रांसिस~~ जेवियर भी दक्षिण भारत आये थे।
- 1571 ई में पुर्तगाली गवर्नर बनने वाले 'एंटानिओ द नोरोन्हा' के समय अकबर कैम्बे गया था जहां पुर्तगालियों से उसकी पहली बार परिचय हुआ। फलतः 1580 ई में 'जेसुइट मिशन' मुगल दरबार में आया। इनमें फादर एकाविवा व मानसरेट शामिल थे।
- अकबर की अनुमति से हुगली में तथा शाहजहां की अनुमति से बंदेल में कारखाने स्थापित किये।
- 1580 ई में पुर्तगाल पर स्पेन का कब्जा हो ~~गया~~ जाने के बाद भारत में भी पुर्तगालियों की शक्ति में तेजी से ह्रास हुआ। मुगल शासक शाहजहां के समय उन्होंने हुगली ~~के समय~~ पर से अपना अधिकार खो दिया। (कासिम खां ने हुगली पर कब्जा किया था)।

KD Job Updates

- 1661 ई मे तत्कालीन ब्रिटिश सम्राट "चार्ल्स द्वितीय" द्वारा एक पुर्तगाली राजकुमारी "कैथरीन" से विवाह करने पर पुर्तगालीयो ने उसे मुम्बई का द्वीप दहेज मे दे दिया था।

- पुर्तगालियो ने कार्टज - आर्मेडा - काफिला पद्धति लागू किया जो कि एक प्रकार का परमिट था। मुगल सम्राट अकबर को भी परमिट लेना पड़ता था।

- पुर्तगाली मालाबार और कोंकण तट से सर्वाधिक कालीमिर्च का निर्यात करते थे। मालाबार तट से अदरक, दालचीनी, चंदन, हल्दी, नील आदि का निर्यात करते थे।
- भारत से केवल कालीमिर्च के खरीद के लिए पुर्तगाली प्रतिवर्ष 1,70,000 क्रूजेडो भारत लाये थे।
- पुर्तगालियो ने भारत मे तम्बाकू की खेती आरंभ की, जहाज निर्माण व प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत की।
- 1556 ई मे गोवा मे पुर्तगालियो ने भारत का प्रथम प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया। भारतीय जड़ी - बुटियों पर यूरोपीय लेखक द्वारा लिखित प्रथम वैज्ञानिक ग्रंथ 1563 ई मे गोवा से प्रकाशित हुआ।

- भारत मे गोथिक कला पुर्तगालियो के साथ आया।

KD Job Updates

Date

डच (वेरेनिग्दे ओस्ट इंडिसे)

- 1602ई. हॉलैंड संसद ने (वेरेनिग्दे ओस्त इंडिसे कंपनी) की स्थापना की और 21 वर्षों के लिए पूर्वी देशों से व्यापार का एकाधिकार प्रदान किया।

- डच लोग हॉलैण्ड के निवासी थे। डचों का पहला व्यापारिक बेडा मलाया हिंद द्वीप समूह में आया। केप ऑफ गुड होप होते हुए भारत में आने वाला प्रथम डच नागरिक कॉरनेलिस डे हाउटमान था।

- डचों ने 1602 ई. में बंटम के निकट एक युद्ध में पुर्तगालियों को पराजित किया और भारत में अपनी व्यापारिक कोठियाँ स्थापित की।

- डच लोग मुख्यतः मसालों, नील, कच्चे रेशम, शीशा, चावल व अफीम का व्यापार करते थे।
- 1639ई. में डचों ने गोआ की नाकेबंदी की और 1641 में मलक्का पर अधिकार कर लिया।
- डचों ने 1658ई. में श्रीलंका में पुर्तगालियों के प्रभाव को समाप्त करके उस पर अधिकार कर लिया।
- डचों ने 1605ई. में मुसलीपट्टम में प्रथम डच कारखाना की स्थापना की। इसके पश्चात पुलीकट(1610) सूरत (1616), बिमलीपट्टम (1641), करिकल (1645)

KD Job Updates

Date

चिनसुरा (1653), कोचीन, कासिम बाजार पटना, बालासोर, नेगापट्टम (1658) स्थानों पर अपना व्यापारिक केंद्र स्थापित किया।

- बंगाल में प्रथम डच कारखाना पीपली में स्थापित की गई थी किंतु बाद में उसी जगह बालासोर में कारखाना स्थापित की गई।
- ~~1658 में चिनसुरा में पेंगोडा नाम से स्वर्ण सिक्के चलाये।~~
- ~~डचों ने पुलीकट में~~
- 1653 ई में चिनसुरा में गत्तावुल नाम किले का निर्माण करवाया।
- डचों ने पुलीकट में पेंगोडा नाम से स्वर्ण सिक्के चलाये।
- 1759 में डचों एवं अंग्रेजों के बीच बेदरा का युद्ध हुआ जिसमें डचों को पराजित होना पड़ा। इस पराजय के साथ ही डचों पर भारत से अंतिम रूप से पतन हो गया।
- अंग्रेजों के तुलना में नौशक्ति का कमजोर होना, मसाले द्वीपों पर अधिक ध्यान देना, आपसी स्पर्धा का कमजोर होना, अत्यधिक केन्द्रीयकरण की नीति अपनाना आदि कारणों का डचों के पतन के लिए जिम्मेदार माना जाता है।
- डचों ने भारत में व्यापार पर ही अधिक ध्यान दिया, उन्होंने यहां की राजनीति में न तो कभी हस्तक्षेप किया और न ही रुचि लिया।

KD Job Updates

Date

अंग्रेजो की ईस्ट इंडिया कंपनी

- भारत मे अंग्रेजो के आगमन के समय इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ शासन कर रही थी। 1588 ई मे स्पेनिश आर्मीडा की पराजय मे पुरब जाने के लिए अंग्रेजो के लिए समुद्री मार्ग खोल दिया।

- 1599 मे जॉन मिल्डेनहाल नामक ब्रिटिश थलीय मार्ग से भारत आया।
- 31 December 1600 को महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने अंग्रेजो को भारत मे व्यापार करने के लिए एक आज्ञा पत्र दिया और 1599 मे 'दि गवर्नर एण्ड कंपनी ऑफ मर्चेण्टस ऑफ लंदन इन्टू दि ईस्ट इंडीज' नामक कंपनी की स्थापना भारत मे हुई।
- महारानी का यह आज्ञापत्र 15 वर्ष के लिए था तथा इस कंपनी मे कुल 218 साझीदार थे। बाद मे जेम्स प्रथम ने यह आज्ञापत्र अनिश्चितकाल के लिए बढा दिया।
- 1600 ई मे अंग्रेजो ने भारत की खाडी पर स्थित हरमुज को पुर्तगालियो से छीन लिया।
- 1608 मे पहला ब्रिटिश जहाज हेक्टर भारत के सुरत बंदरगाह पर आया और इस जहाज के कप्तान विलियम हॉकिन्स ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम की ओर से मुगल सम्राट जहांगीर के दरबार मे आया।

UDY BUDDIES
KD Job Updates

- हॉकिन्स ने जहाँगीर से सूरत में बसने की इजाजत माँगी किंतु पुर्तगीजों के विरोध तथा सूरत के सौदागरों के विरोध के कारण उसे स्वीकृत नहीं मिली। उसे 400 मनसब का प्रदान किया गया।
- "फरवरी 1613 को गुजरात के सूबेदार "खुर्रम" ने सूरत में व्यापारिक कोठियाँ खोलने के लिए एक "फरमान" प्राप्त करने में सफल रहा। टॉमस एल्डवर्थ ने सूरत में व्यापार कोठी स्थापित किया।

- 1615 ई में सम्राट जेम्स प्रथम ने "सर टामस रो" को अपना राजदूत बनाकर जहाँगीर के पास भेजा, जिसका एक मात्र उद्देश्य व्यापारिक संधि करना था। 18 Sep 1615 को वह सूरत पहुँचा। 10 January 1616 को उसकी मुलाकात जहाँगीर से अजमेर में हुयी।

- टॉमस रो 10 January से 17 February 1616 ई तक मुगल दरबार में रहा।
- हलांकि रो ने जहाँगीर के साथ व्यापारिक संधि करने में सफलता नहीं प्राप्त किया परन्तु अंग्रेजों को भड़ौच, अहमदाबाद तथा आगरा में व्यापारिक कंपनियाँ स्थापित करने की अनुमति प्राप्त हो गई।
- 1611 ई में दक्षिण-पूर्वी तट पर सर्वप्रथम मुसलीपट्टम में अंग्रेजों ने व्यापारिक कोठी की स्थापना।

KD Job Updates

- 1632 ई में अंग्रेजों ने गोलकुण्डा के सुल्तान से एक सुनहरा फरमान प्राप्त किया। इसके तहत 5% पैगोडा वार्षिक कर के बदले गोलकुण्डा के बंदरगाहों पर व्यापार का अधिकार मिला।
- पूर्वी तट पर पहला अंग्रेजी कारखाना 1632 में बालासोर व हरिपुरा में खोला गया।
- 1639 में फ्रांसिस डे नामक अंग्रेज को चन्द्रगिरी के राजा से मद्रास पट्टे पर प्राप्त हुआ। यहां पर अंग्रेजों ने फोर्ट सेंट जार्ज नामक किले की स्थापना की गई और 1644 में यह कम्पनी का मुख्यालय बना।
- 1651 में ब्रिजमैन के नेतृत्व में हुगली में व्यापारिक कोठिया खोली गई।
- बंगाल के सूबेदार शाहशुजा द्वारा दिये गये एक विशेष फरमान द्वारा 1651 ई में अंग्रेजों को 3000रु वार्षिक कर देने के बदले बंगाल में व्यापार का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ।
- 1661 ई में इंग्लैण्ड के राजा चार्ल्स द्वितीय का विवाह पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ब्रेगांजा से हुआ, जिसमें दहेज के रूप में चार्ल्स को बंबई प्राप्त हुआ।
- विलियम हैजेज बंगाल का प्रथम अंग्रेज गवर्नर था।
- 1669 से 1677 तक बंबई का गवर्नर गेराल्ड औंगियार ही वास्तव में बंबई का महानतम संस्थापक था।

KD Job Updates

- 1658 ई मे बंगाल एवं कोरोमंडल तट पर खुली सभी कोठियो को फोर्ट सेंट जार्ज के अधीन कर दिया गया।

- 1680 ई मे औरंगजेब ने जजिया का भुगतान के बारे मे ~~कहा~~ यह फरमान जारी किया कि ईस्ट इंडिया कम्पनी को सूरत को छोड़कर देश के सभी शेष भागो मे "बीमा शुल्क" दिए बगैर व्यापार कर सकती है।

- October 1686 ई को अंग्रेजो ने हुगली को लुटा तथा हिजली एवं बालासोर की घेराबंदी किया जिससे अंग्रेज एवं मुगल सेनाओ के बीच संघर्ष शुरू हो गया।

- औरंगजेब के आदेश पर मुगल सेना ने कंपनी के सूरत, मुसलीपट्टम, विशाखापट्टनम आदि के कारखाने को अपने अधिकार मे ले लिया किंतु बाद मे अंग्रेजो द्वारा क्षमा याचना करने पर औरंगजेब ने डेढ लाख रुपए की मुआवजा लेकर व्यापार का अधिकार दे दिया

- 1695 ई मे ब्रिटिश संसद ने सभी ब्रिटिश प्रजा को भारत मे ~~अनुमति दी~~ व्यापार की अनुमति दी। इसी से एक अन्य ब्रिटिश कंपनी इंग्लिश कंपनी ट्रेडिंग इन द ईस्ट की स्थापना हुयी। इस कम्पनी को विशेषाधिकार दिलाने के लिए विलियम नोरिस को औरंगजेब के दरबार

STUDY BUDDIES
KD Job Updates

मे भेजा गया। 22 July 1702ई को दोनों कंपनियों का विलय का निर्णय लिया गया और अर्ल ऑफ गोडोलफिन के निर्णय के तहत 1708ई - 1709ई मे विलय कर दिया गया।

- संयुक्त कम्पनी का नाम "द यूनाइटेड कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ इंग्लैण्ड ट्रेडिंग टू दी ईस्ट इंडीज रखा गया।
- 1698ई मे कंपनी ने इब्राहिम खां से सुतानटी, कोलिकता एवं गोविन्दपुर की जमींदारी 1200रु मे प्राप्त कर ली। यहां पर निर्मित कारखाने को अलग बंगल किलेबंदी करके फोर्ट विलियम का निर्माण किया जो बाद मे कलकत्ता नगर कहलाया, जिसकी नीव जॉब चारनॉक ने रखी थी। इसका प्रथम गवर्नर 1700ई मे सर चार्ल्स आयर को बनाया गया।
- 1715ई मे जॉन सुरमन के नेतृत्व मे एक ब्रिटिश व्यापारिक मंडल फर्रुखसियर से मिला। इनमे स्टीफेंसन, विलियम हैमिल्टन (सर्जन) तथा ख्वाजा सेहूर्द (आर्मेनियाई दुभाषिया) शामिल थे। विलियम हैमिल्टन ने बादशाह को एक भयंकर बीमारी से मुक्ति दिलाया।
- 1717ई मे मुगल सम्राट फर्रुखसियर ने एक फरमान जारी कर कंपनी को 3 हजार की वार्षिक राशि अदा करने पर निः शुल्क व्यापार की अनुमति प्रदान कर दी। साथ ही कंपनी

KD Job Updates

Date

द्वारा बंबई की टकसाल से जारी किए गए सिक्के को मुगल साम्राज्य में मान्यता मिल गई।

- फर्रुखसियर द्वारा जारी 1717 ई० के फरमान को इतिहासकार ओर्म्स ने कंपनी का महाधिकार (मैग्नाकार्टा) कहा है।
- कान्होजी आंग्रिया नामक मराठा सेनानायक ने पश्चिमी तट पर अंग्रेजों की स्थिति कमजोर कर दी थी।

KD Job Updates